AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

HINDUSTAN PAGE 8

i-NEXT PAGE 5

JAGRAN CITY PAGE I

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 3

AMRIT VICHAR PAGE 8

TOI PAGE 3

PIONEER PAGE 3

SWATANRA BHARAT PAGE 3

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

लखनऊ विवि के 68वें दीक्षांत समारोह में 201 विद्यार्थियों को दिए गए पदक, एक लाख 25 हजार विद्यार्थियों को डिग्री

पदकों से दमकी मेधा, डिग्री से सजा भविष्य

विवि का सर्वश्रेष्ठ चांसलर पदक अरिदम चतुर्वेदी और चक्रवर्ती पदक आरजू नायाब को दिया गया

वैज्ञानिक व ऑलंपिक अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक वैज्ञानिक शेखर सी मांडे ने दिया दीक्षांत भाषण

लखनऊ विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक कला प्रांगण में आयोजित 68वें दीक्षांत समारोह में पदक पाने वाले मेधावियों के साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी और कुलपति प्रो. मनुका खन्ना। संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का ऐतिहासिक कला प्रांगण का मैदान बुधवार को मेधावियों की माला से सजा और पदकों की आभा से दमक उठा। विश्वविद्यालय का सर्वश्रेष्ठ चांसलर पदक अरिदम चतुर्वेदी व चक्रवर्ती पदक आरजू नायाब को दिया गया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में हुए समारोह में वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक वैज्ञानिक शेखर सी मांडे ने दीक्षांत भाषण दिया।

कुल 201 पदक प्रदान किए गए। 80 फीसदी यानी 157 पदक छात्राओं और 44 पदक छात्रों के खाते में गए। एक लाख 25 हजार विद्यार्थियों को डिग्री दी गई। पूर्व पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार को डॉक्टरेट ऑफ साइंस की मानद उपाधि दी गई। अर्थशेखर राय को वाहस चांसलर स्वर्ण पदक, सौम्यश्री श्रीवास्तव को वाइस चांसलर स्वर्ण पदक, मेधावियों ने पाई निःशुल्क पढ़ाई की सौगात

राज्यपाल ने की अध्यक्षता, पूर्व पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार को मिली मानद उपाधि

157 पदक छात्राओं को मिले | 44 पदक छात्रों के खाते में गए

आंदोलन न करें, 75 फीसदी उपस्थिति का कड़ाई से करें पालन

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को 75 फीसदी उपस्थिति का पालन करना चाहिए। इससे कम उपस्थिति वाले विद्यार्थियों को परीक्षा देने से रोका जाएगा। इस पर उन्हें आंदोलन नहीं करना चाहिए। इसके बजाय कक्षाओं में जाना चाहिए। कुलाधिपति ने अनुसंधान और नवाचार के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि सरकार इसके लिए प्रयास कर रही है। विद्यार्थियों को कौशल विकास और नवाचार के माध्यम से देश को विकसित बनाने के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुसंधान में लगे रहने और एक मजबूत भारत के निर्माण में योगदान देते रहने के लिए कहा।

चार शिक्षकों को किया गया सम्मानित

नई परंपरा के तहत इस बार चार शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इनमें सोशल वर्क के प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रो. अनुप भारतीय, जूलॉजी की प्रो. मोनीषा बनर्जी और बॉटनी के डॉ. प्रदीप कुमार शामिल रहे।

पदकों का संख्यावार विवरण

कुल पदक	गोल्ड मेडल	सिल्वर मेडल	ब्रॉन्ज मेडल	बुक प्राइज
201	180	02	10	09

इन्हें मिले पदक : रुचि जैन और प्रगति मिश्रा को पांच पदक मिले हैं। आस्था श्रीवास्तव, आस्था पांडे, नेहा यादव, चौथी तिवारी, सुरीना पठक, मनीष कुमारी और रंजना देवी को 4 पदक मिले हैं। सिंधर भारती, स्वाति पटेल, अभय वर्मा, अन्या मौनाई, मानवी चौधरी, सुप्तिा पांडे, अल्दुलकाफी आयुता गालंब अहमद, श्रुति त्रिपाठी, दिव्यांशु कुमार तिवारी, रश्मि श्रीवास्तव, अनुराधा सिंह वर्मा, प्रतिभा खत्री को तीन पदक मिले। आकाश चौहान, अनुष्का पांडे, दीक्षा पटेल, वैशाली जोशी, अभिषेक वर्मा, यादव अरूनाल, विदुषी राय, रोशन सी. सेवरुए, प्रज्ञा शाक्य, जीनी चौरसिया, अनुप्रीत राज सिंह और दिव्या सिंगा को दो पदक मिले हैं।

मेडल पाने वालों को मॉडल बनकर दिखाना होगा

उच्चशिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि मेडल पाने वालों की जिम्मेदारी है कि वे समाज के सामने मॉडल बनकर उभरें। आने वाली पीढ़ी उनका अनुसरण करे। दीक्षांत में जिन विद्यार्थियों को उपाधियां मिली हैं, उनको उपाधियां भी साबित करनी होंगी। स्नातकों से आग्रह किया कि वे समाज के लिए आदर्श बनें और राष्ट्र के 2047 तक विकसित देश बनने की राह प्रशस्त करें।

गांधी व बुद्ध के मूल्य अपनाते हुए आगे बढ़ें

मुख्य अतिथि डॉ. शेखर सी मांडे ने कहा कि दीक्षा लेने वाले विद्यार्थियों को भारत की दार्शनिक और सांस्कृतिक विरासत से प्रेरणा लेनी चाहिए। महात्मा गांधी और गौतम बुद्ध के बताए मूल्य अपनाने चाहिए। जन की खोज के साथ चरित्र का विकास भी जरूरी है। डिग्री हासिल करने के बाद विद्यार्थी स्नातक न केवल अपने कैरियर में सफलता हो, बल्कि जिम्मेदार और नैतिक नागरिक भी बनें। डॉ. मांडे ने दीक्षांत समारोह को छात्रों के जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ का पत्थर बताया।

भारत के पास है आधुनिक दुनिया की स्वास्थ्य समस्याओं का हल : डॉ. शेखर सी मांडे

विनीत चतुर्वेदी

लखनऊ। मानसिक बिखराव, हृदय रोग और डायबिटीज जैसी महामारी ने आधुनिक विश्व को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। भारत के पास इन वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान है। ये बातें सीएसआईआर के पूर्व महानिदेशक डॉ. शेखर सी. मांडे ने अमर उजाला से बातचीत में कहीं। उन्होंने कहा कि भारत के पास प्राचीनकाल से योग और मेडिटेशन है, जिनसे मानसिक अवसाद, हृदय रोग पर प्रभावी रूप से नियंत्रण पाया जा सकता है। चिकित्सा विज्ञान ने इसे प्रमाणित किया है। भारत में कालाजार, पोलियो, चिकन पॉक्स जैसी घातक बीमारियों से खात्मा हो गई, लेकिन मानसिक विकार, हृदय रोग और डायबिटीज जैसी महामारियां चिकित्सा विज्ञान के आगे चुनौती बन कर खड़ी हो गई हैं। उन्होंने जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण को अनदेखी को पूरी मानवता के लिए चुनौती बताया। उन्होंने युवाओं से भारत के प्राचीन मूल्यों की ओर लौटने और बुद्ध व महात्मा गांधी के सिद्धांत मार्ग पर चलने का आह्वान किया। युवाओं में बढ़ रहे हृदयाघात और आकस्मिक मौतों के कारणों, कनेक्शन के संबंध पर उन्होंने कहा कि इस पर अभी शोध करने की जरूरत है। डीडियन कॉर्सिल फॉर मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) जैसी केंद्रीय संस्थाओं को इसमें आगे आना चाहिए।

सीएसआईआर के पूर्व महानिदेशक डॉ. शेखर सी. मांडे

वैशाली जोशी को मिला स्व. अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक

लखनऊ। दीक्षांत समारोह में बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के पराभौतिक विज्ञान विभाग की परास्नातक छात्रा वैशाली जोशी को स्व. अतुल माहेश्वरी मेमोरियल जनविज्ञान स्वर्ण पदक से अलंकृत किया गया। इस उपलब्धि पर वैशाली खेद खुश हैं। इसके साथ ही वैशाली को श्री प्रेम मुक्ता स्वर्ण पदक भी दिया गया। वैशाली जोशी मुलरूप से उत्तराखंड के अल्मोड़ा के सोमेश्वर की रहने वाली हैं और काफी समय से लखनऊ में रह रही हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता मुंजन जोशी और पिता ज्ञानेंद्र जोशी को दिया है। आगे के कैरियर के सवाल पर उन्होंने बताया कि वह डिडिटल जनविज्ञान में जाना चाहती हैं। स्व. अतुल माहेश्वरी मेमोरियल जनविज्ञान स्वर्ण पदक उन मेधावियों को दिया जाता है जिन्हें मास कम्युनिकेशन में पहले से चौथे सेमेस्टर तक सर्वाधिक अंक हासिल होते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

उपाधि, पदक पाना गर्व की अनुभूति पाया : रजनी

उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि उपाधि और पदक पाना गर्व की अनुभूति है। यह उपलब्धि उनके माता-पिता और परिवार के लिए भी गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि भारत के पास प्राचीनकाल से योग और मेडिटेशन है, जिनसे मानसिक अवसाद, हृदय रोग पर प्रभावी रूप से नियंत्रण पाया जा सकता है। चिकित्सा विज्ञान ने इसे प्रमाणित किया है। भारत में कालाजार, पोलियो, चिकन पॉक्स जैसी घातक बीमारियों से खात्मा हो गई, लेकिन मानसिक विकार, हृदय रोग और डायबिटीज जैसी महामारियां चिकित्सा विज्ञान के आगे चुनौती बन कर खड़ी हो गई हैं। उन्होंने जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण को अनदेखी को पूरी मानवता के लिए चुनौती बताया। उन्होंने युवाओं से भारत के प्राचीन मूल्यों की ओर लौटने और बुद्ध व महात्मा गांधी के सिद्धांत मार्ग पर चलने का आह्वान किया। युवाओं में बढ़ रहे हृदयाघात और आकस्मिक मौतों के कारणों, कनेक्शन के संबंध पर उन्होंने कहा कि इस पर अभी शोध करने की जरूरत है। डीडियन कॉर्सिल फॉर मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) जैसी केंद्रीय संस्थाओं को इसमें आगे आना चाहिए।

एवं प्रशस्ति-पत्र भेंट किए।

कला मेधावियों पर बरसे पदक अंशिका को मिले सर्वाधिक नौ मेडल

मेधावियों ने सफलता का श्रेय माता-पिता को दिया

वैष्णवी जोशी को मिला स्व. अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक

जीवन भर के अध्ययन की शुरुआत है स्नातक होना : डा. मांडे

मुख्य अतिथि डा. शेखर सी. मांडे ने कहा कि दीक्षा समारोह विद्यार्थियों के लिए मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि स्नातकों को आपने ज्ञान को दार्शनिक जीवन में लागू करना होगा। उन्होंने 2047 तक विकसित भारत की दृष्टि को साकार करने में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि जिन्हें उपाधियां मिली हैं उन्हें असली उपाधियां सिद्ध करनी होंगी। जिन्हें मेडल मिले हैं उन्हें भी अपने ज्ञान को साबित करना होगा। आपका कर्तव्य बनता है कि कुछ ऐसा करें, जिससे राष्ट्र का गौरव बन सकें। हम ऐसा प्रयास करें कि राष्ट्र निर्माता बनें, क्योंकि देश हमें देता है सब कुछ हम भी कुछ तो देना सीखें। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि 2047 में विकसित होना है। हमें प्रेरणा है कि हम 2047 के पहले ही विकसित देश होंगे।

छात्राओं की झोली में 80 प्रतिशत पदक

लखनऊ विश्वविद्यालय के 68वें दीक्षा समारोह में मेधाविनों को मिले 201 मेडल

दीक्षा समारोह में पदक जीतने छात्र-छात्राओं के साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, सभा में उपस्थित डा.शेखर सी.मांडे, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी, कुलपति प्रो. मनुका खन्ना व पूर्व पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ■ जागरण

जासं ■ लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि) के 68वें संस्कार संस्थानों के मेधावियों को 201 पदक प्रदान किए गए। इनमें 180 स्वर्ण, दो रजत, 10 कांस्य पदक के साथ-साथ नौ बुक प्राइज शामिल हैं। पदक पाने वालों में 80 प्रतिशत छात्राएं (157) और 20 प्रतिशत छात्र (44) हैं। सबसे ज्यादा 95 पदक लविवि, 44 पदक हरदोई, 32 पदक लखनऊ के कालेजों, 20 पदक रायबरेली, पांच सीतापुर और पांच ही पदक लखीमपुर खीरी के मेधावियों को मिले। सभी को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि प्रख्यात वैज्ञानी एवं वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) के पूर्व महानिदेशक डा. शेखर सी. मांडे, विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय व उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने समारंभ में प्रदान किया।

संस्थान	छात्र	पदक	छात्रा	पदक
लवि	15	20	42	75
लखनऊ के कालेज	05	13	13	19
हरदोई के कालेज	06	10	13	34
लखीमपुर के कालेज	00	00	05	05
रायबरेली के कालेज	01	01	05	19
सीतापुर के कालेज	00	00	03	05
कुल	27	44	81	157

उपाधि : दीक्षा समारोह में पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार को मानद उपाधि दी गई। 16 मई 1965 को जन्मे प्रशांत कुमार मूल रूप से बिहार के सीवान जिले के निवासी हैं। उन्होंने एम.एससी (अनुप्रयुक्त भू-विज्ञान), एम.बी.ए. (आपदा प्रबंधन), एम.फिल (रक्षा एवं सामरिक अध्ययन) की डिग्री हासिल की है। 1990 बैच के आइपीएस अधिकारी रहे प्रशांत कुमार करीब डेढ़ साल तक उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक रहे। उत्तर प्रदेश पुलिस में उनकी पहचान एक तेज तर्रार अफसर के रूप में रही है। वह एडीजी मेरठ जोन, एडीजी कानून-व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं।

'75 प्रतिशत उपस्थिति कम हो तो परीक्षा में बैठने न दें'

राज्यपाल ने कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों की 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य की जाए। इसे कड़ाई से लागू किया जाए। विश्वविद्यालयों में कैंपस पेपर की सुविधा समाप्त होनी चाहिए और इसे भी सख्ती से लागू किया जाए।

समारोह में राज्यपाल ने कहा कि अग्रगामी पांच वर्षों में देशभर के सरकारी स्कूलों में 50 हजार अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री रिसर्च फेलोशिप योजना के अंतर्गत अगले पांच वर्षों में 10 हजार फेलोशिप प्रदान की जाएंगी। कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को संजोने के लिए ज्ञान भारतम मिशन की शुरुआत की गई है। इसके अंतर्गत पांडुलिपियों का सर्वेक्षण एवं संरक्षण किया जाएगा। साथ ही एक राष्ट्रीय डिजिटल डिपाजिटरी की स्थापना कर इस धरोहर को विश्व के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की नई पहल 'भूमनोमिश : मानसिक स्वास्थ्य और चिकित्सीय समाधान' परामर्श केंद्र का उद्घाटन किया। इसके लोगो का लोकार्पण भी किया। विश्वविद्यालय की उपलब्धियों एवं वार्षिक गतिविधियों (2024-25) के साथ शिक्षकों की पुस्तकों का लोकार्पण भी किया। राज्यपाल ने लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए प्राथमिक विद्यालयों के विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को स्मृति-चिह्न भेंट किए।

मेरी उपलब्धि के पीछे मेरे चाचा व आध्यापकों का पूरा श्रेय है। मेरे चाचा प्रदीप कुमार भी अर्थशेखर के शिक्षक हैं। मुझे भी अर्थशेखर बनना है। इसी को लेकर आगे और मेहनत करनी है।

-आस्था पांडे, पांच गोल्ड

मेरी सफलता के पीछे मेरे पिता का हाथ होता है। मेरी सफलता के पीछे मेरे माता-पिता व आध्यापकों का हाथ है। मैंने बहुत कुछ नहीं सोचा है, मेरी लाइन ऐतरीयर है और मुझे स्नातक एजुकेशन आफिसर बनना है। इसी पर मेरा ध्यान केंद्रित है।

-प्रियांशी यादव, छह गोल्ड मेडल

मेरी सफलता के पीछे मेरे पिता का आर्थिक व काफी हद तक मानसिक योगदान भी है। मैंने एलएलबी किया है, तो मेरा लक्ष्य आप समझ सकते हैं। मुझे जुडिशरी सेवा में जाना है। इसके लिए प्रयास करना है।

-रवि चंद, तीन गोल्ड मेडल

मैं आजकी पीढ़ी को कहना चाहती हूं कि मेहनत करने का कोई शार्टकट नहीं होता। मेहनत ही सफलता की कुंजी है। मेरी सफलता के पीछे मेरे माता-पिता का हाथ है। मैं अपने परिवार की पहली लड़की हूं जो पीएचडी कर रही है।

-अंकिता त्रिवेदी, एम.एससी. बायोकेमिस्ट्री, दो स्वर्ण पदक।

मैं दलित कोरिया की निवासी हूं। मेरा संघर्षमय है कि मैंने लंबी संघर्षयात्रा की। कला संकाय के शिक्षकों के उत्कृष्ट मार्गदर्शन में यह सफलता हासिल कर पाई। मेरे लिए यह दिन कभी न भूलने वाला पल है।

-शिवांग जंग, एम.ए. इतिहासविज्ञान, जयरानी थेरी सुन खुजली स्वर्ण पदक।

राष्ट्र निर्माण की मुख्य धारा से जुड़ रही हैं बेटियां : कुलाधिपति

लखनऊ विश्वविद्यालय का 68वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न, पदक पाने वालों में 80 फीसद छात्राएं

राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में लखनऊ विश्वविद्यालय का 68वां दीक्षांत समारोह संपन्न

मेधा को मिला मान, मेडल पाकर खिली मुस्कान

श्रद्धा को मिला चांसलर अवार्ड श्रद्धा ने लिए सर्वाधिक नौ गोल्ड

सभी संकायों में सर्वश्रेष्ठ अरिंदम को मिला कुलाधिपति स्वर्ण पदक

लखनऊ विश्वविद्यालय के 68वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने छात्र-छात्राओं को दिए 201 पदक

छात्राओं की झोली में 80 प्रतिशत पदक

लखनऊ विश्वविद्यालय के 68वें दीक्षांत समारोह में मेधाविनों को मिले 201 मेडल

दीक्षा समारोह में पदक जीतने छात्र-छात्राओं के साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, सभा में उपस्थित डा.शेखर सी.मांडे, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी, कुलपति प्रो. मनुका खन्ना व पूर्व पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ■ जागरण

'75 प्रतिशत उपस्थिति कम हो तो परीक्षा में बैठने न दें'

राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों की 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य की जाए। इसे कड़ाई से लागू किया जाए। विश्वविद्यालयों में कैंपस पेपर की सुविधा समाप्त होनी चाहिए और इसे भी सख्ती से लागू किया जाए।

समारोह में राज्यपाल ने कहा कि अग्रगामी पांच वर्षों में देशभर के सरकारी स्कूलों में 50 हजार अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री रिसर्च फेलोशिप योजना के अंतर्गत अगले पांच वर्षों में 10 हजार फेलोशिप प्रदान की जाएंगी। कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को संजोने के लिए ज्ञान भारतम मिशन की शुरुआत की गई है। इसके अंतर्गत पांडुलिपियों का सर्वेक्षण एवं संरक्षण किया जाएगा। साथ ही एक राष्ट्रीय डिजिटल डिपाजिटरी की स्थापना कर इस धरोहर को विश्व के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की नई पहल 'भूमनोमिश : मानसिक स्वास्थ्य और चिकित्सीय समाधान' परामर्श केंद्र का उद्घाटन किया। इसके लोगो का लोकार्पण भी किया। विश्वविद्यालय की उपलब्धियों एवं वार्षिक गतिविधियों (2024-25) के साथ शिक्षकों की पुस्तकों का लोकार्पण भी किया। राज्यपाल ने लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए प्राथमिक विद्यालयों के विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को स्मृति-चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र भेंट किए।

20 प्रतिशत मेडल छात्रों को मिले, लवि के विद्यार्थियों को मिले सर्वाधिक 95 पदक

इन्हें मिली उपाधि

स्नातक	1,10,810
परास्नातक	15,200
डिप्लोमा	242

उपाधि के आंकड़े

छात्र	57,353	
छात्राएं	68,991	
कुल संख्या	1,26,254	
पदक	छात्र	छात्राएं
स्वर्ण	38	139
रजत	00	02
कांस्य	05	05
बुक प्राइज	01	08
कुल	44	155

मेरी सफलता के पीछे मेरे माता-पिता व आध्यापकों का हाथ है। मैंने बहुत कुछ नहीं सोचा है, मेरी लाइन ऐतरीयर है और मुझे स्नातक एजुकेशन आफिसर बनना है। इसी पर मेरा ध्यान केंद्रित है।

-प्रियांशी यादव, छह गोल्ड मेडल

हर सफलता के पीछे किसी न किसी का हाथ होता है। मेरी सफलता के पीछे मेरे माता-पिता व आध्यापकों का हाथ है। मैंने बहुत कुछ नहीं सोचा है, मेरी लाइन ऐतरीयर है और मुझे स्नातक एजुकेशन आफिसर बनना है। इसी पर मेरा ध्यान केंद्रित है।

-प्रियांशी यादव, छह गोल्ड मेडल

मैं अपनी माता की प्रेरणा से यह उपलब्धि हासिल कर पाई हूं। मुझे लगता है कि मैं अभी भी और मेहनत करनी है। मेरा लक्ष्य आईएएस से जुड़ना है।

-अंजू नायाब, डा. साकबर्ती गोल्ड

गुरू से ही त्याग निर्धारित करके पढ़ाई करती रही हूं। अभी काफी मेहनत करनी है। मेरे पिता बिजनेसमैन हैं लेकिन मुझे पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन सर्विस में जाना है। इसी को लेकर मेरी तैयारी चल रही है। लक्ष्य बड़ा है तो तैयारी भी बड़ी करनी पड़ेगी।

-सृष्टि जैन, पांच गोल्ड

मुझे पांच गोल्ड मिले हैं, इसके लिए मैंने काफी मेहनत की है। अभी का लक्ष्य पाने के लिए मुझे और अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। इसलिए लक्ष्य निर्धारित करे बिना कुछ नहीं पाया जा सकता है। अभी पीएचडी करनी है और फिर शिक्षा के क्षेत्र में ही जाना है।

-प्रगति मिश्रा, पांच गोल्ड

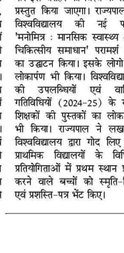

माता-पिता के मार्गदर्शन व आध्यापकों के कारण ही यहां तक पहुंच पाई हूं। मुझे लगता है कि अभी और मेहनत करनी है। मेरे विषय से अभी कुछ चकना जल्दबाजी होगी।

-वीना तिवारी, पांच गोल्ड

मेरी सफलता के पीछे मेरे चाचा व आध्यापकों का पूरा श्रेय है। मेरे चाचा प्रदीप कुमार भी अर्थशेखर के शिक्षक हैं। मुझे भी अर्थशेखर बनना है। इसी को लेकर आगे और मेहनत करनी है।

-आस्था पांडे, पांच गोल्ड

मैं दलित कोरिया की निवासी हूं। मेरा संघर्षमय है कि मैंने लंबी संघर्षयात्रा की। कला संकाय के शिक्षकों के उत्कृष्ट मार्गदर्शन में यह सफलता हासिल कर पाई। मेरे लिए यह दिन कभी न भूलने वाला पल है।

-शिवांग जंग, एम.ए. इतिहासविज्ञान, जयरानी थेरी सुन खुजली स्वर्ण पदक।

राष्ट्र निर्माण की मुख्य धारा से जुड़ रही हैं बेटियां : कुलाधिपति

लखनऊ विश्वविद्यालय का 68वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न, पदक पाने वालों में 80 फीसद छात्राएं

राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में लखनऊ विश्वविद्यालय का 68वां दीक्षांत समारोह संपन्न

मेधा को मिला मान, मेडल पाकर खिली मुस्कान

श्रद्धा को मिला चांसलर अवार्ड श्रद्धा ने लिए सर्वाधिक नौ गोल्ड

सभी संकायों में सर्वश्रेष्ठ अरिंदम को मिला कुलाधिपति स्वर्ण पदक

लखनऊ विश्वविद्यालय के 68वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने छात्र-छात्राओं को दिए 201 पदक

गर्ल्स की झोली में ब्वॉयज से चार गुणा मेडल

लखनऊ यूनिवर्सिटी में भव्यता के साथ 68वां दीक्षांत समारोह संपन्न

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (10 Sept): लखनऊ यूनिवर्सिटी में बुधवार को 68वां दीक्षांत समारोह भव्यता के साथ संपन्न हुआ। जिसमें मेरिटोरियस स्टूडेंट्स को गोल्ड, सिल्वर और ब्रांज मेडल प्रदान किए गए, दीक्षांत समारोह में 210 मेरिटोरियस स्टूडेंट्स को मेडल्स से सम्मानित किया गया. जिसमें सर्वाधिक संख्या गर्ल्स की रही. प्रदेश के पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार को मानद उपाधि के साथ सम्मानित किया गया. अरिंदम चतुर्वेदी को चांसलर गोल्ड मेडल, अर्थशेखर राय को वीसी मेडल दिया गया. वहीं, श्रद्धा को सर्वाधिक 9 मेडल्स प्रदान किए गए.

गवर्नर आनंदीबेन पटेल के साथ एलयू के मेधावी.

210 स्टूडेंट्स को मेडल्स से किया गया सम्मानित | **80** फीसद मेडल्स आए गर्ल्स के हिस्से | **20** फीसद मेडल्स ही आए ब्वॉयज के हिस्से में | **09** सर्वाधिक मेडल्स प्रदान किए गए श्रद्धा को

80 फीसद महिलाओं की हिस्सेदारी

दीक्षांत समारोह के दौरान यूनिवर्सिटी की चांसलर गवर्नर आनंदीबेन पटेल ने टीचर्स प्रोग्रेसिव मील का पचधर है. इनमें भी 80 पर्सेंट महिलाओं की भागीदारी होना, महिलाओं की शिक्षा में सशक्तिकरण एवं उत्कृष्टता को दिखाता है. हायर एजुकेशन को लेकर चांसलर ने 1 करोड़ छात्रनिधियों का संरक्षण एवं दस्तावेजीकरण के आधार पर एक बुक म्यूजियम की स्थापना का फैसला लिया.

शोभायात्रा संग हुई शुरुआत

एलयू के 68वें दीक्षांत समारोह की शुरूआत शोभायात्रा के साथ हुई. जिसमें वीसी प्रो. मनुका खन्ना के नेतृत्व में सभी डिपार्टमेंट्स के प्रोफेसर्स ने मंच तक चलकर गए, जिसके बाद कार्यक्रम की अध्यक्ष एवं यूनिवर्सिटी की चांसलर गवर्नर आनंदीबेन पटेल का स्वागत किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में सीएसआईआर, दिल्ली के पूर्व महानिदेशक डॉ. शेखर सी. मांडे, विशिष्ट अतिथियों के रूप में उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी के साथ यूपी के पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार मौजूद रहे.

स्टूडेंट्स पर मेडल्स की बारिश

एलयू दीक्षांत समारोह में मेरिटोरियस और अपने पेशल्स में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले स्टूडेंट्स को मेडल्स से सम्मानित किया गया. जिसके अंतर्गत राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 210 स्टूडेंट्स को मेडल पहनाए, जिसमें चांसलर गोल्ड मेडल, वाइस चांसलर गोल्ड मेडल के साथ ही कई मेडल्स शामिल हैं. मेडल पाने वाले स्टूडेंट्स में इस बार फीमेल स्टूडेंट्स की संख्या ज्यादा रही. दीक्षांत समारोह के अवसर पर साइकोलॉजी डिपार्टमेंट के पद इनीशिएटिव मेनोमिस का उद्घाटन किया गया. जिसमें स्टूडेंट्स की मेंटल हेल्थ को ध्यान में रखते हुए काम किया जाएगा. इसमें काउंसिलिंग सेशन, एक्सपर्ट सेशन और थेरेपीज भी शामिल हैं.

80 फीसद महिलाओं की हिस्सेदारी

चांसलर गोल्ड मेडल

मैंने बीए ऑनर्स कंपलीट किया है. कई रिसर्च पेपर्स पर भी काम किया है.

चांसलर्स गोल्ड मेडल मिलना बहुत बड़ा मोमेंट है. लास्ट कॉन्वोकेशन में मुझे डॉ. डीएन मजूमदार मेमोरियल गोल्ड मेडल मिल चुका है. पेरेंट्स, टीचर्स और यूनिवर्सिटी को बैचस कहना चाहता हूं.

-अरिंदम चतुर्वेदी

वाइस चांसलर गोल्ड मेडल

मैं नेशनल पीजी एक्जामेंस में स्टूडेंट हूं और बेस्ट एनसीसी कैडेट के तौर पर भी काम किया है.

पर गोल्ड मेडल मिलना मेरे लिए गर्व की बात है. इतने लोगों के बीच में गवर्नर के हाथों मुझे मेडल मिला ये मोमेंट मुझे हमेशा याद रहेगा और मेरी एक्साइटमेंट भी पहले से बढ़ गई है.

-अवनिका राय

चक्रवर्ती गोल्ड मेडल फॉर सर्विस

मैंने बीएलएलबी कंपलीट किया है. ये मेडल मुझे यूनिवर्सिटी की अलग-अलग स्टेजेस